अध्याय -6 | भारत के संदर्भ में नियोजन और सतपोषणीय विकास

Worksheet-3

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. योजना आयोग ने किस वर्ष देश के 67 जिलों को पूर्ण या आंशिक सूखा प्रभावी जिलों के रूप में चिह्नित किया?

(अ) वर्ष 1972 (ब) वर्ष 1967

(स) वर्ष 1962 (द) वर्ष 1978

2. आर्थिक विकास में प्रादेशिक असन्तुलन कम करने के लिए बनाए गए नियोजन को क्या कहते हैं?

(अ) ग्राम नियोजन (ब) खण्डीय नियोजन

(स) प्रादेशिक नियोजन (द) जिला नियोजन

3. निम्नलिखित में से किस राज्य से होकर इन्दिरा गाँधी नहर जाती है?

(अ) गुजरात (ब) राजस्थान

(स) उत्तर प्रदेश (द) मध्य प्रदेश

4. संयुक्त राष्ट्र संघ ने सतत पोषणीय विकास की परिभाषा को निम्न में से किस रिपोर्ट में प्रस्तुत किया है?

(अ) अवर कॉमन फ्यूचर (ब) द पापुलेशन बम

(स) द लिमिट टू ग्रोथ (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. गद्दी जनजाति के लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?

(अ) हिन्दी (ब) याली

(स) संस्कृत (द) गद्दीयाली

6. भारत में 'योजना आयोग' का अध्यक्ष निम्न में से कौन होता था?

(अ) उपराष्ट्रपति (ब) वित्तमंत्री

(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति

7. आई.टी.डी.पी. निम्नलिखित में से किस संदर्भ में वर्णित है?

(अ) समन्वित यात्रा विकास प्रोग्राम (ब) समन्वित परिवहन विकास प्रोग्राम

(स) समन्वित जनजातीय विकास प्रोग्राम (द) समन्वित पर्यटन विकास प्रोग्राम

8. इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास हेतु सबसे महत्वपूर्ण उपाय कौन-सा है?

(अ) वाणिज्यिक कृषि का विस्तार (ब) जल प्रबंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन

(स) अधिक सिंचाई वाले जलसघन फसलों की खेती (द) शहरीकरण को बढ़ावा देना

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. **निम्नलिखित में से कौन-सी कृषि पद्धति इंदिरा गांधी नहर परियोजना क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप के लिए उपयुक्त मानी गई है?**

(अ) धान की खेती (ब) कपास की खेती

(स) बागवानी (खट्टे फलों की खेती) (द) गन्ने की खेती

10. **निम्न में से कौन-सा उपाय इस क्षेत्र में पारिस्थितिकीय संतुलन पुनःस्थापित करने के लिए प्रस्तावित नहीं है?**

(अ) वनीकरण एवं वृक्ष रक्षण (ब) जलाक्रांत भूमि का पुनरुद्धार

(स) औद्योगिक विकास का तीव्र विस्तार (द) चरागाह विकास एवं मेखला निर्माण

रिक्त स्थान

11. 1981 में पिछड़े क्षेत्रों पर _____ समिति ने सुझाव दिए।

12. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम की शुरुआत _____ पंचवर्षीय योजना में की गई।

सत्य/असत्य

13. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम की शुरुआत छठी पंचवर्षीय योजना में हुई थी।

14. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम केवल जनजातीय क्षेत्रों के लिए बनाया गया था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम किस पंचवर्षीय योजना में लागू किया गया तथा इसके क्या उद्देश्य थे?

16. भारत में नियोजन की रूपरेखा तैयार करने का उत्तरदायित्व किस संस्था का था?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिए बनी राष्ट्रीय समिति ने पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के कौन-से सुझाव दिए हैं?

18. 'भरमौर जनजातीय क्षेत्र विकास योजना' के मुख्य उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत की उन पंचवर्षीय योजनाओं का वर्णन कीजिए जो तय समयावधि पूरी नहीं कर सकी।

20. खंडीय नियोजन एवं प्रादेशिक नियोजन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

HOTS

21. विकास एवं सतत् पोषणीय विकास में अंतर स्पष्ट कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(ब)** वर्ष 1967
2. **(स)** प्रादेशिक नियोजन
3. **(ब)** राजस्थान
4. **(अ)**

   संयुक्त राष्ट्र संघ ने सतत पोषणीय विकास की परिभाषा को अवर कॉमन फ्यूचर रिपोर्ट में प्रस्तुत किया है।
5. **(द)** गद्दीयाली
6. **(स)**

   भारत में 'योजना आयोग' का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता था एवं योजना आयोग का हेड क्वार्टर योजना भवन के नाम से जाना जाता था।
7. **(स)** समन्वित जनजातीय विकास प्रोग्राम
8. **(ब)** जल प्रबंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन
9. **(स)** बागवानी (खट्टे फलों की खेती)
10. **(स)** औद्योगिक विकास का तीव्र विस्तार
11. राष्ट्रीय
12. पाँचवीं
13. असत्य
14. असत्य
15. यह कार्यक्रम चौथी पंचवर्षीय योजना में उस क्षेत्र के लोगों के रोजगार तथा आय में वृद्धि के उद्देश्य से लागू किया गया था।
16. नियोजन संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बनाया जाता है। भारत में केंद्रीकृत नियोजन की रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी योजना आयोग की थी, जिसके अध्यक्ष भारत के प्रधानमंत्री होते थे। यह एक वैधानिक संस्था थी। अब यह जिम्मेदारी नीति आयोग को सौंपी गई है।
17. पिछड़ेपन की सोच में बड़ा बदलाव तब आया, जब 1981 में बी शिवरमन की अध्यक्षता में बनी नेशनल कमेटी ऑन डेवलपमेंट ऑफ बैकवर्ड एरियाज की रिपोर्ट आई। इस रिपोर्ट के अनुसार, उन क्षेत्रों के विकास के लिए खास कोशिश होनी चाहिए- जिनमें विकास की संभावना हो, कुछ ऐसी बाधाए हों, जो इस संभावना की राह में आ रही हों और इन बाधाओं को दूर करने के लिए विशेष कार्यक्रम बनाने की जरूरत हो। इसमें पिछड़े क्षेत्रों की पहचान- मरुस्थल, सूखाग्रस्त क्षेत्र, आदिवासी क्षेत्र, पर्वतीय क्षेत्र, बाढ़ग्रस्त क्षेत्र व लवण की अधिकता से प्रभावित तटवर्ती क्षेत्र के रूप में की गई थी। विभिन्न समितियों की रिपोर्ट के आधार पर योजना आयोग ने 70 के दशक में पिछड़े क्षेत्रों को जिला के आधार पर तय करने की बात की। आज भी पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष से पिछड़े जिलों को अनुदान दिया जाता है। इसके दो भाग हैं- एक के तहत बिहार व उड़ीसा के कुछ जिलों के लिए चल रही विशेष योजना आती है और दूसरे में 250 पिछड़े जिलों के लिए राष्ट्रीय सम विकास योजना है।

    1981 में पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिए बनी राष्ट्रीय समिति ने उन सभी पर्वतीय क्षेत्रों को पिछड़े पर्वतीय क्षेत्रों में शामिल करने की सिफ़ारिश की, जिनकी उचाई 600 मीटर से अधिक है और उनमें जनजातीय उप-योजना लागू नहीं है। ऐसे पहाड़ी क्षेत्रों के विकास के लिए राष्ट्रीय समिति ने निम्नलिखित सुझाव दिए हैं-

    1. वहाँ की जीविका-निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेश-उन्मुखी बनाया जाए।
    2. किसी भी स्तर पर प्रादेशिक व्यापार में पिछड़े क्षेत्रों का शोषण नहीं होना चाहिए।
    3. योजनाओं से केवल प्रभावशाली व्यक्ति ही नहीं बल्कि सभी लोग लाभान्वित होने चाहिए।
    4. स्थानीय संसाधनों और वहाँ रह रही प्रतिभाओं का विकास होना चाहिए।
    5. पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEOS | QUIZ | PDF | TEST SERIES

6. पिछड़े क्षेत्रों की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाया जाए।

पहाड़ी क्षेत्रों के विकास की विस्तृत योजनाएँ इनके स्थलकृतिक, पारिस्थितिकीय, सामाजिक तथा आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए।

18. भरमौर जनजातीय विकास योजना 1974 ई० में पाँचवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत प्रारंभ की गई। इसके मुख्य उद्देश्य निम्न थे-

i. इस क्षेत्र की विकास योजना का मुख्य उद्देश्य गद्दी समुदाय के जीवन स्तर में सुधार करना है तथा उनका विकास करना है।

ii. भरमौर और हिमाचल प्रदेश के अन्य भागों के बीच विकास के स्तर में अंतर की कम करना है एवं सभी को समान स्तर प्रदान करना है।

iii. इसके लिए परिवहन एवं संचार, कृषि और इससे संबंधित क्रियाओं तथा सामाजिक व सामुदायिक सेवाओं के विकास को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई। जिसके द्वारा भिन्नताओं को कम किया जा सके।

19. भारत में योजना आयोग ने नियोजन हेतु पंचवर्षीय योजनाओं को माध्यम बनाया था। देश की प्रथम पंचवर्षीय योजना 1951 में आरंभ हुई।

भारत की निम्न पंचवर्षीय योजनाएं तय समयावधि पूरी नहीं कर सकीं :-

1. तीसरी पंचवर्षीय योजना के अंतिम समय देश में लगातार दो सूखे और पाकिस्तान के साथ युद्ध के कारण चौथी पंचवर्षीय योजना समय पर लागू नहीं हो सकी। इसलिए 1966-67 तथा 1968-69 में योजना अवकाश लेना पड़ा। इस अवधि में वार्षिक योजनाएँ लागू रहीं, जिन्हें रोलिंग प्लान कहा गया।
2. पाँचवीं पंचवर्षीय योजना 1974-75 में आरंभ हुई, किंतु तत्कालीन सरकार ने इसे एक वर्ष पहले अर्थात 1977-78 में ही समाप्त कर दिया।
3. राजनीतिक अस्थिरता और उदारीकरण की नीति की शुरुआत के कारण आठवीं पंचवर्षीय योजना भी देरी से आरंभ हुई। उसके बाद की सभी योजनाएँ अपने समय से चलीं।

20. खंडीय नियोजन एवं प्रादेशिक नियोजन में निम्नलिखित अंतर है–

खंडीय नियोजन	प्रादेशिक नियोजन
अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों के लिए योजना बनाई जाती है।	स्थानिक स्तर पर विकास की योजना बनाई जाती है।
कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, ऊर्जा, निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं के लिए कार्यक्रम बनाया जाता है।	प्रदेश के असमान विकास के अंतर को कम करने के लिए समग्र रूप से कार्यक्रम बनाए जाते हैं।
इसमें किसी विशेष खंड का विकास महत्त्वपूर्ण होता है।	इसमें प्रादेशिक असंतुलन कम करना महत्त्वपूर्ण होता है।

21. विकास एवं सतत् पोषणीय विकास में निम्नलिखित अंतर है–

विकास	सतत् पोषणीय विकास
विकास की संकल्पना प्राचीन संकल्पना है।	सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना विकास की नई संकल्पना है।
इसमें संसाधनों के तकनीकी विकास पर विशेष बल नहीं दिया जाता है।	सतत् पोषणीय विकास में तकनीकी विकास पर विशेष बल दिया जाता है।
विकास के अंतर्गत वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान दिया जाता है।	सतत् पोषणीय विकास के अंतर्गत वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES